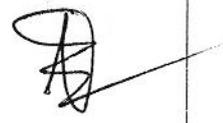


न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश—ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक R 2976-II/15

जिला दमोह

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
9-3-2016	<p>मैंने आवेदक अधिवक्ता के दि २४-२-१६ को पुनः तर्क सुने और नस्ती का परिशीलन किया।</p> <p>इनके प्रकाश में मैं यह पाता हूँ कि अनु अधि, पथरिया के जिस आदेश दि ३१-३-१५ के विरुद्ध इस रा मं न्यायालय में निगरानी आवेदन लगे गया है, वह तहसीलदार, पथरिया के मूल प्र क्र १५/अ२७/१२-१३ में पारित आदेश दि ६-५-१३ के विरुद्ध प्रथम अपील में पारित एक अंतिम आदेश है, जिससे अनु अधि ने तहसीलदार का उक्त आदेश इस आधार पर निरस्त किया है क्योंकि उन्होंने उसमें बगैर सह-खातेदारों की सहमती के बटवारा स्वीकृत कर दिया गया होना पाया।</p> <p>मैं इस निगरानी आवेदन को दो कारणों से ग्राह्यता-योग्य नहीं पाता हूँ। प्रथम यह कि अनु अधि का आक्षेपित आदेश प्रथम अपील में पारित एक अंतिम आदेश है, जिसके विरुद्ध इस रा मं न्यायालय में निगरानी में आने के पूर्व पक्षकारों के पास अभी अधीनस्थ स्तर पर द्वितीय अपील में जाने का उपाय उपलब्ध है। अतः, उन्हें वरिष्ठ स्तर पर आने से पहले अधीनस्थ स्तर की रेमेडीज़ exhaust करनी चाहियें। दूसरा यह कि अनु अधि का आक्षेपित आदेश प्रथमदृष्टया एक स्पष्ट और बोलते स्वरूप का आदेश है। उसमें बटवारे को सभी सह-खातेदारों की सहमती के आभाव में निरस्त किया गया है। अतः, द्वितीय अपील में जाने के अतिरिक्त पक्षकारों के पास इस कमी की पूर्ति करते हुए, यानि सभ-सहखातेदारों की सहमती प्राप्त करते हुए, पुनः बटवारे हेतु विचरण न्यायालय के समक्ष जाने का रास्ता भी खुला है।</p> <p>उपरोक्त के प्रकाश में मैं इस निगरानी आवेदन को इस प्रक्रम पर इस रा मं न्यायालय में ग्राह्य किये जाने योग्य नहीं पाता हूँ।</p> <p>अतः, प्रकरण अग्राह्य करते हुए रा मं से समाप्त किया जाता है।</p> <p>आदेश पारित।</p> <p>पक्षकार एवं सूचित हों।</p> <p>प्रकरण समाप्त।</p> <p>दा द हो।</p>	 <p>(आशीष श्रीवास्तव) सदस्य</p>